Sl. No. :

MHNHC-2.2

Total No. of Pages : 2

Second Semester M.A. Degree Examination, October - 2025

(SLM Scheme) (CBCS)

हिन्दी (HINDI)

Course - II : Pracheen Evam Madhyakaleen Hindi Kavya

प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

Note : ***All sections are compulsory.***

SECTION - A

I. किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **[4 × 5 = 20]**

1) ससि मोर पिया।
अबहु न आओल कूलिस हिया।
मखर खोआओल दिवस लिखि सिखि।
नयन अंधाओलु पिया पथ देखी।

2) कुट्टिल केस सुदेस, पौहप रचयित पिक्क सद।
कमल गंध वय संध, हंस–गति चलत मंद–मंद।।
सेते वस्त्र सौहै सरीर नष स्वाति–बुंद जस।
भ्रमर भवहिं भुल्लहिं, सुभाव मकरंद बास रस।।

3) मथुरा जावै द्वारिका भावे जावे जगन्नाथ
साधु–संगति हरि भगति बिना कछू न आवे हाथ।।
तीरथ ब्रत बिख बेलडी सब जग मेलहा छाइ।
कबीर मुल निकंदिया, कौन हलाहल खाइ।

4) मैं अरू मोर तोर तैं माया।
जेहि बस कीन्हें जीव निकाया।।
गो गोचर जहँ लगि मन जाई।
सो सब माया जानेहु भाई।।

5) यहि डर बहुरि न गोकुल आए।
सुन री सखी। हमारी करनी समुझि मधुपुरी छाए।।
अधरातिक है उठि बालक सब मोहि जगे हैं आय।
बिनु पद त्रान बहुरि पठवंगी वनहि चरावन गाय।।
सूनो भवन आनि राकेंगी चोरत दधि नवनीत।
पकरि जसोदा पे लै जैह, नाचत गावत गीत।।
ग्वालिनी मोहि बहुरि बांधेंगी केते वचन लगाय।
एते दुःखन सुमरि सूर मन, बहुरि सकै को जाय।।

6) कीजै चित सोई तरे, जिहिं पतितन के साथ।
मेरे गुन औगुन–गननु, गनौं न गोपीनाथ।।
हरि कीज तुमसी यह विनती बार हजार।
जिहि तिहि भाँति इर्दी रहाँ पी रहाँ दरबार।।

SECTION - B

II. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [3 × 10 = 30]

7) विद्यापति की पद्मावली की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

8) पद्मावती समय की कथावस्तु को प्रस्तुत कीजिए।

9) सूरदास के भ्रमरगीत की विशिष्टिताओं को रेखांकित कीजिए।

10) घनानन्द की भक्ति पद्धति का विवेचन कीजिए।

11) लंकाकाण्ड के प्रमुख प्रसंगों का विवेचन कीजिए।

SECTION - C

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [2 × 15 = 30]

12) विद्यापति भक्त कवि है या श्रृंगारी–तर्क संगत उत्तर दीजिए।

13) बिहारी की लोकप्रियता के लिए सतसई कारणीभूत है इस बात का समर्थन कीजिए।

14) घनानन्द की विरहानुभूति की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

15) दार्शनिकता की दृष्टि से कबीर के विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

⌘⌘⌘